ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः
गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
पन्तनगर–263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
फोन नम्बरः 05944–233032

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – उधम सिंह नगर

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे — निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून

वर्षः 28 अंकः 25 बुलेटिन अवधिः : 27–31 मार्च, 2019 दिनः मंगलवार दिनाँकः 26 मार्च, 2019

मौसम पूर्वानुमानः

भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** द्वारा वित्त पोषित एवं **भारत मौसम विज्ञान विभाग** द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत **राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली** द्वारा पूर्वानुमानित तथा **मौसम केन्द्र, देहरादून** द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा **उधम सिंह नगर में अगले पाँच दिनों** में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :–

पूर्वानुमानित मौसम तत्व	मौसम पूर्वानुमान – उधम सिंह नगर				
	27/03/2019	28/03/2019	29/03/2019	30/03/2019	31/03/2019
वर्षा (मिमी0)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	31	32	33	33	34
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	13	14	15	15	16
बादल आच्छादन	साफ	मध्यम बादल	आंशिक बादल	आंशिक बादल	साफ
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	80	80	80	80	80
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	40	40	40	40	40
वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा)	008	006	006	006	010
वायु की दिशा	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–उत्तर–पश्चिम	उत्तर–उत्तर–पश्चिम

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर स्थित कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला (समुद्रतल से ऊँचाई–243.8 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों (19–25 मार्च, 2019) में आसमान साफ रहने के साथ कही–कही मध्यम बादल छाये रहे तथा मौसम साफ रहा, अधिकतम तापमान 29.0 से 32.5 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 10.4 से 13.9 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 74 से 91 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 29 से 55 प्रतिशत एवं मुख्यतः पश्चिम–उत्तर–पश्चिम दिशा से चली।

ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

कृषि मौसम परामर्श

फसल	अवस्था	कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानो हेतु कृषि सलाह
मूंग	बुवाई	मूंग की बुवाई इस सप्ताह पूर्ण कर लें। मूंग की पंत मूंग –5, सम्राट आदि प्रजातियो की की बुवाई 25–30 सेमी0 की दूरी पर बनी लाईनों में करे। बीज की दर 20–25 किलोग्राम रखें। बुवाई की गहराई 3–4 सेमी रखें।
मेंथा	रोपाई	मेंथा की 40–45 दिन की पौध की रोपाई 40 सेमी की दूरी पर बने लाईनो मे 15–20 सेमी की दूरी पर करे। मेंथा की खड़ी फसल मे पहली कटाई के 10–15 दिन बाद अगर खरपतवार दिखें तो एक–दो बार निराई–गुड़ाई करें।
चारा फसलें	बुवाई	चारे वाली फसलों–चरी, मक्का, बाजरा, मकचरी, लोबिया और ग्वार आदि की बुवाई इस माह करे।
गेहूं	दुग्धावस्था	दाने जब दुग्धावस्था मे हो तो आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सिंचाई के उपरान्त तेज हवा से फसल को गिरने से बचाव हेतु सिंचाई शाम को जब हवा मंद हो करे। सिंचाई हल्की करें।
सूरजमुखी	बुवाई	सूरजमुखी की मार्डन, सूर्या, आदि की बुवाई करें।
टमाटर, मिर्च	रोपाई	टमाटर व मिर्च की फसल मे रोपाई करने से पूर्व जड़ो को एमिडाक्लोरपिड 1 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर 10–15 मिनट तक डुबाने के बाद रोपाई करे। टमाटर व मिर्च की फसल मे अगेती रोपी गई फसल में सिकुड़े हुए चित्तकबरे पत्ते दिखाई देने पर ग्रसित पौधो को निकालकर नष्ट करें। तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण हेतु सर्वागीं कीटनाशी का छिड़काव करें।
आम	बौर की अवस्था	आम मे बौर आने की अवस्था है। बौर आने के समय सिंचाई न करें।
पशुपालन	–	गर्भवती पशुओ में प्यूरपरल बुखार को रोकने के लिए, प्रतिदिन 50–60 ग्राम खनिज मिश्रण को पशुओं की प्रतिरक्षा को बढ़ाने हेतु आहार के रूप में दें। इस समय पशुओं में बॉझपन और जोहन की बीमारी होने की अधिक संम्भावना है। इस स्थिति में पशुओ का तत्काल इलाज करवाए। पटेरा रोग से बचाव हेतु प्रसव होने के 10 दिन पश्चात् 10–15सी0सी0 नीम का तेल नवजात को पिला दें। तदुपरांत 10 दिन पश्चात् पुनः 10–15 सी0सी0 नीम का तेल पिला दें। बथुए का तेल इसका रामबाण इलाज है।

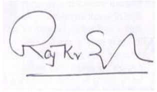

डा0 आर0 के0 सिंह
प्राध्यापक एवं प्रिंसिपल नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,
गो.ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विश्वविद्यालय, पन्तनगर